

## अध्याय 21

### हलीम चला चाँद पर

#### प्रश्न-अभ्यास

रास्ते में क्या देखा?

प्रश्न 1.

हलीम को रास्ते में क्या-क्या दिखा होगा?

उत्तर:

नीला आकाश – पतंगें:

काले बादल – हवाई जहाज

चिड़ियाँ: – हेलीकॉप्टर

कहाँ जाओगे?

प्रश्न 1.

हलीम चाँद पर जाना चाहता था। तुम कहाँ जाना चाहती हो? कैसे जाओगी?

उत्तर :

कहाँ

- मुंबई
- नानी के गाँव
- लंदन

कैसे

- रेल से
- बस से
- हवाई जहाज से

**डर**  
हलीम को अँधेरे से डर लगता था।

**प्रश्न 1.**  
**तुम्हें कब-कब डर लगता है?**

**उत्तर :**  
जब मैं चिड़ियाघर में बाघ और शेर देखती हूँ।  
जब मैं बिना होमवर्क किए विद्यालय जाती हूँ।  
जब मैं घर पर अकेली होती हूँ।  
जब घर में पिता जी गुस्सा होते हैं।

**प्रश्न 2.**  
**फिर तुम क्या करते हो?**

**उत्तर :**  
मैं अपने भीतर के डर को दूर भगाने की कोशिश करती हूँ और अपने मम्मी-पापा के हाथ पकड़ लेती हूँ।

**प्रश्न 3.**  
**चाँद और सूरज का चित्र बनाओ।**

**उत्तर :**  
विद्यार्थी इनके चित्र स्वयं बनाएँ।

**दो अंक के प्रश्न और उत्तर**

**प्रश्न: हलीम की इच्छा क्या थी, और उसने इसे पूरा करने के लिए कैसे कदम उठाए?**

**उत्तर:** हलीम की इच्छा थी कि वह चाँद पर जाए। उसने एक दिन एक रॉकेट के कारखाने में जाकर एक रॉकेट ली, और उस पर बैठकर चाँद की तरफ बढ़ा।

**प्रश्न: हलीम को रास्ते में क्या हुआ और उसकी प्रतिक्रिया कैसी थी?**

**उत्तर:** हलीम को रास्ते में अँधेरा हो गया, जिससे उसे डर लगने लगा। थोड़ी देर में जब उसने चाँद देखा, तो वह खुश हो गया।

**प्रश्न: चाँद पर पहुँचने के बाद हलीम को कैसा अनुभव हुआ और उसे वहाँ कैसा लगा?**

**उत्तर:** चाँद पर पहुँचने के बाद हलीम ने देखा कि वहाँ ढेर सारे बड़े-बड़े गड्ढे और पहाड़ हैं, लेकिन कोई पेड़-पौधा, जानवर या मनुष्य नहीं हैं। उसे यह जगह पसंद नहीं आई और वह वहाँ से वापस अपने घर लौट आया।

## चार अंक के प्रश्न और उत्तर

**प्रश्न: हलीम की इच्छा के पीछे क्या कारण था और उसने इसे पूरा करने के लिए कैसे कदम उठाए?**

**उत्तर:** हलीम की इच्छा थी कि वह चाँद पर जाए। इसके पीछे शायद वह नई और अनदेखी जगहों की तलाश कर रहा था। उसने रॉकेट के कारखाने से एक रॉकेट ली और उस पर बैठकर चाँद की तरफ बढ़ा।

**प्रश्न: हलीम को रास्ते में क्या हुआ और उसकी प्रतिक्रिया कैसी थी?**

**उत्तर:** हलीम को रास्ते में अँधेरा हो गया, जिससे उसे डर लगने लगा। थोड़ी देर में जब उसने चाँद देखा, तो वह खुश हो गया। इससे हम यह सीख सकते हैं कि कभी-कभी हमें नई चीजों की तलाश में कुछ दिक्कतें आ सकती हैं, लेकिन हमें उन्हें आगे बढ़ना चाहिए।

**प्रश्न: चाँद पर पहुँचने के बाद हलीम को कैसा अनुभव हुआ और उसे वहाँ कैसा लगा?**

**उत्तर:** चाँद पर पहुँचने के बाद हलीम ने देखा कि वहाँ ढेर सारे बड़े-बड़े गड्ढे और पहाड़ हैं, लेकिन कोई पेड़-पौधा, जानवर या मनुष्य नहीं हैं। इससे हलीम को वहाँ का मनोबल गिर गया और उसने वहाँ को खुद के लिए अच्छा नहीं माना। इस प्रकार, उसने रॉकेट पर बैठकर अपने घर लौट आया।

## कहानी का सारांश

हलीम नाम के एक लड़के को एक दिन चाँद पर जाने की इच्छा हुई। वह एक रॉकेट के कारखाने में बैठ गया। उसने एक रॉकेट लिया और रॉकेट पर बैठकर चाँद की तरफ़ चल पड़ा। रास्ते में चलते-चलते अँधेरा हो गया। अब हलीम को डर लगने लगा, क्योंकि उसे चाँद पर जाने के रास्ते का पता नहीं था। थोड़ी देर में उसने चाँद देखा और वह खुश हो गया। चाँद पर ढेर सारे बड़े-बड़े गड्ढे और बड़े-बड़े पहाड़ थे। लेकिन वहाँ कोई पेड़-पौधा, जानवर या मनुष्य नहीं था। हलीम को यह जगह बिलकुल ही पसंद नहीं आई और वह रॉकेट पर बैठकर अपने घर लौट आया।